Date: September 18, 2023
To
Department of Corporate Services,
BSE Limited
$25^{\text {th }}$ Floor,
Phiroze Jeejeebhoy Towers,
Dalal Street,
Mumbai - 400001

## BSE CODE: 511563

## SUBJECT: Compliance pursuant to Regulation 30 \& 47 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulation, 2015 ("Listing Regulations")

## Dear Sir/Madam,

Pursuant to Regulation 30 \& 47 of the Listing Regulations, please find enclosed copies of Newspaper advertisement titled "Notice of Extra Ordinary General Meeting and e-Voting information", published in "Business Standard" (English) and "Business Standard" (Regional) newspapers on 18-09-2023.

This is for your kind information and record.

Thanking you,
For Sanchay Finvest Limited,
NKOR

Naresh Kumar Nandlal Sharma


Managing Director
(DIN: 00794218)


## homefirst Home First Finance Company India Limited 

NOTICE OF SALE THROUGH PRIVATE TREATY



Hence, in tems of the provisions of the sulu


 STATUTORY 15 DAYS SALE NOTICE UNDER THE SARFAESI ACT, 2002


| 为 |  |
| :---: | :---: |



##  


 LIMITED" was changed as "SHRIRAM FINANCE LMITED" with effect from
30.11.2022 vide Corrificate of Incorporation pursuant to change of name datad
3011 .-2022 30.1.1-2022
30-12eras th

Whereas the undersigned being the authooized officer of Shriram Finance Limited
(Earier known as Shriram City Union Fnance Limited) under the provisions of the (Earier known as shinram City Union Finance Limitad) under the provisions of the
Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security
and Intereststatt, 2002 (said Act) and in exerrisise of powers conferred under section 13
(12) of the said Act read with Rule 3 of the Security Iterest (Enforcement) Rules,
 Borrowers(s)/Mortgagor(s) detalils of which are men
repay the amountmertioned in the said demand notice.
The Borrower(s)/Co-Borrowers $(s) /$ /Mortoagor(s) having failed to repay the amount
the notice is herchy is the notice is hereby is given Borrower(s)/Co-Borrowers $(\mathrm{s}) /$ Mortgagor(s) and the
public in general that the underisigned being the authorized oficerof Shriram Finance public in genenal that the undersigigned being the authorized ofticer of Shiriam Finance
Limited has taken the Symbolic Possession of the mortgaged properties described
herein below in exercise of powers conferred on thim under section 13 (4) of the
 Interest Act, 2002 (SARFAESI Act) read with Rule
(Enforcement) Rules, ontisis 15 TH September 2023.

|  | due as per and Notice |  |
| :---: | :---: | :---: |
| Loan Account №. RSINDLP2110300001 M/S CINEMATES (Borrower) <br> Rep. by Its Propriator Aditya Bhatt 28, Sunder Nagar Main, Sukhliya, Indore, Madhya Pradesh - 452010. <br> 2) Mr. Aditya Bhatt (Co- Borrower/Guarantor) 28, Sunder Nagar Main, Sukhliya, Indore, Madhya Pradesh - 452010. <br> 3) Mr. Navin Bhatt (Co- Borrower/ Guarantor) Civil Hospital, Ke Piche, VIllage - Ingorlya, Tehsll | Rs. 2373120/- (Rupees <br> Twenty Three Lakhs Seventy Three Thousand One Hundred Twenty Only) in respect to loan <br> account no. RSINDLP2110300001 as on 5th July, 2023 along with further interest at the contractual rate, within 60 days from the date of receipt of the said notice. 13(2) Notice Dt.10/07/2023 SUMBOLIC POSSESSION DATE: 15.09.2023 | Schedule-1 <br> All that part and parcel of the land/Flat/ bearing residentlal divertad land under survay no. 544, Palkl, stituated at VIIIageIngorlya, Tehsil Badnagar, Distl- Ujjain, admeasuring 445.91 Sq . Meter and construction thereon and Bonded as under: <br> East: Land of Ramesh Chander West: Plot of Mohan Lal North: Farm of Mohan Lal South: Plot Exit Road |

The borrower(s)/ Guarantor(s)/Mortgagor(s) in particular and public in genera is
hereby cautioned notto deal with the property and any dealings with the property will be subject to the charge of the Shiriam Finance Limited for an amount of Rs.
2373120-- (Rupees Twerty Three Lakks Seventy Trree Thousand One Hundred
 subb-section 8 of fection 13 of the Act, in respect of time available to redeem the
secured assets. Place: UijiainMP
Date : 15-0-9-2023

## एफएमसीजी फर्मों के मार्जिन पर दबाव

अगस्त में, ग्रामीण बाजार में मांग ज्यादा नहीं सुधरी। इस पर खाद्य कीमतों की महंगाई व कमजोर मॉनसून का प्रभाव पड़ा रम परास्लाए

दे श के कई हिस्सों में असमान बारिश
और जिंस कीमतों में तेजी से भार्जिन पर दबाव पड़ने की आशंका है। कई कपनियों ने वित्त वर्ष 2024 की अप्रैल-जुन तिमाही के दोरान सकल माजिन में भारी वृद्धि दर्ज को, क्योंके उन्हे कच्चे माल की कीमतों
में नरमी और शुरुआती कीमत वृद्धि से मे नरमी और
मदली।
इसके अलावा, ऐसी उम्मीद जताई जा रही कि लागत बचत का असर भी भविष्य मे बिक्री वृद्धि पर देखने को मिलेगा। हालांकि यदि खासकर ग्रामीण क्षेत्र में सुधार की
रफ्तार थमती है और कच्चे माल के मोर्चे पर रफ्तार थमती है और कच्चे माल क मोचे पर
मिलने वाले फायदे में कमी आती है तो इन मिलने वाले फायदे में कमी आत
उम्मीदों पर पानी फिर सकता है।
उम्मीदों पर पानी फिर सकता है।
ऐंटीक स्टॉक ब्रोकिंग का मानना है कि एटंक स्टांक ब्रोकिग का मानना है कि
अगस्त के लिए ग्रामीण बाजार में मांग अगस्त के लिए, ग्रामीण बाजार में मांग
ज्यादा नहीं सुधरी और इस पर सब्जियों तथा वाद्य कीमतों में महंगाई और कमजो मॉनसून का प्रभाव पड़ा। प्रतिस्पर्धी तीव्रता डटरजेट और फूड्स जिसी श्रेणियों में
असंगठित या क्षेत्रीय कंपनियों में ज्यादा बनी हुई है।
असमान बारिश और ग्रामीण धारणा प पड़ने वाले उसके प्रभाव पर दलाल पथ की
नजर बनी हुई है। जहां अगस्त में बारिश लॉन्ग-पीरियड एवरेज (एलपीए) से 36 प्रतिशत कम थी, वहीं जून से 14 सितंबर तक मौजूदा
आनंद राठी इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज में जहां कृषि पर ग्रामीण आय जे कहना है जहां कृषि पर ग्रामीण आय से जुड़ी निभर्रता धारणा और मांग को ताकत मिली है। इसके


अतिरिक्त खर्च योग्य आय की वजह से आईटीसी और गोदरेज कंज्यूमर उन एक साल में सामान्य से कमजोर मॉनसन से पिछले दो साल में ग्रामीण मांग नरम पड़ी है। एफएमसीजी कंपनियों में शामिल हैं जिन्हें प्रमुख अनाज उत्पादन पर प्रभाव के साथ खाद्य कीमतों में वृद्धि से खर्च योग्य अपनी बिक्री और राजस्व का बड़ा हिस्सा मुद्रास्फीति में वृद्धि या एफएमसीजी वृद्धि में अतिरक्त आय तथा ग्रामीण मांग प्रभावित ग्रामीण सेगमेंट से हासिल होता है।
ब्रोकरेज फर्म ने लार्जकैप में हिंदुस्तान यूनिलीवर और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स इमामी पर 'खरीदें' रेटिंग दी है

की ऊंची कीमतों का मार्जिन पर प्रभाव पड़ा
है। मौज़ादा समय में 95 डॉलर प्रि है। मोजादा समय में 95 डॉलर प्रति बैरल पर
कारोबार कर रहीं कच्चे तेल की कीमतें कारोबार कर रहीं कच्चे तेल की कीमते
पिछले तीन महीने में 26 प्रतिशत तक चढ़ी हैं।
वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में जिंस और अन्य उत्पादों की कम कीमतों से एफएमसीजी कपनियों को एक साल पहल
की तिमाही के मकाबले सकल मार्जि को तिमाही के मुकाबल सकल माजिन में मदद मिली। ऐंटीक स्टॉक्धि ब्रोकिंग का मानना है कि अब इसमें बदलाव आ सकता है, क्योंकि कच्चे तेल को कीमतां में तेजा
आने से पैकेजिंग, सोडा एश लिनियर आने से पेकजिग, सोडा एश, लिनि डाइऑक्साइड की कीमतों में तेजी को डाइआक्साइड की कीमतों में तेजा को
बढ़ावा मिल रहा है जिससे सकल मार्जिन बढ़ावा मिल रहा है जिय
प्रभावित हो सकता है।
मौजूदा मूल्यांकन पर, ब्रोकरेज के पसंदीदो शेयर हैं गोदरेज कंज्यूमर और ज्योति लैबोरोटरीज।
हालांकि कुछ ब्रोकरों का मानना है कि बढ़ती उत्पादन लागत का प्रभाव अल्पावधि के बजाय वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में वित्त पर देखा जा सकता है।
नोमुरा रिसर्च के विश्लेष मिहिर पी शाह का कहना है, 'जहां जिंसों की कीमतें दससरी तिमाही के लिए इनमें से कर्ड अभी भी दूसरी तिमाही के लिए इनमें से कईे अभी
तिमाही तथा सालाना आधार दोनों पर नरम हिमाहै तथ सालह से वे सालाना आधार पर सकल मार्जिन सुधार में मददगार हैं। हालांकि जिंस कीमतें फिर से चढ़ने लगी हैं और इससे वित्त वर्ष 2024 की दूसरी
छमाही में मार्जिन अनमानों को जोखिम छमाही में माजिन अनुमानों को जोखिम
पहुंच सकता है। ब्रोकरेज ने मजबत पहुच सकता है। ब्रोकरेज ने मजबतत
क्रियान्वयन क्षमता वाली कंपनियों को पसंद किया है। उसके पसंदीदा शेयरों में गोदरेज कंज्यूमर, आईटीसी, एचयूएल और डाबर

बाजार
हलचल
निफ्टी का अगला पड़ाव 20,300 ?
बेंचमार्क निफ्टी- 50 इंडेक्स ने पिछले 15 कारोबारी सत्रों में से 13 में बढ़त दर्ज की है। इस अवधि में इंडेक्स ने 4.8 फीसदी यानी 927 अंक जोड़े और
आखिरी बंद स्तर 20,192 रहा। तकनीकी विश्लेषकों का मानना है कि बाजार अब जरूतन सेज्यादाखरीदारी बाले जोन में है लेकि और बढ़ेती की संभावना से वे इनका नहीं कर गहे हैं। कोटक सिक्योगिटीज के उपाध्यक्ष ( तकनीकी शोध) अमोल आठवले ने कहा, बाजार का रुख तेजी का है, पर बाजार अस्थायी तौर पर जरूरत से ज्यादा खरीदारी वाले हालात में है ऐसे में हम उच्चस्तर पर कुछ मुनाफावसूली देख सकते हैं। अल्पावधि वाले ट्रेडरों के लिए 20,075 व 20,000 अहम समर्थन के स्तर का काम करेगा, वहीं 20,300 व 20,375 तेजड़ियों के लिए प्रतिरोध का अहम स्तर हो

## आईपीओ की बाढ़ में घटा जीएमपी

सामी होटल्स और जैगल प्रीपेड समेत हालिया आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम एक अंक में नजर आ रहा है जबकि अगस्त में पेश हुए ज्यादातर आइपीओ का जीएमपी 50 फीसदी से ज्यादा रहा था। बाजार के प्रतिभागियों
ने कहा कि करीब आधा दर्जन पेशक करीब-करीब एक ही समय में होने और पिछले हफ्ते मिड व स्मॉलकैप शेयरों में आई गिरावट का सेंटिमेंट पर असर पड़ रहा है। मंगलवार को एनएसई मिडकैप 100 व निफ्टी स्मॉलकैप 100 ने दिसंबर के बाद की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की। ये शेयर हालांकि अगले कुछ काबारी सत्रों मं स्थिर होने में कामयाब रहे। अन्य कारक नकदी
संकट है। बैंकरों ने कहा कि चंक सभी आईपीओ बाजार में करीब-करीब एक साथ आ रहे हैं ऐसे में निवेशक वहां बडी़ बक्म नहीं लगा पा गहे हैं एक साथ आ रह है, ऐसे मे
जहां अनिश्चिता होती है।

## फ्रीक ट्रेड : बीएसई की एडवाइजरी

8 सितंबर को बीएसई के डेरिवेटिव सेगमेंट में असामान्य कारोबार देखा गया जहां सेंसेक्स के कॉल ऑशन कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 67,000 पर करीब 50 गुना बढ़कर 4 रुपये से 200 रुपये हो गई। बाजार के प्रतिभागियों ने कहा कि फ्रीक ट्रेड से कुछ निश्चित ट्रिडरों को नुकसान हुआ। इस घटनाक्रम के बाद
बीएसडने एडवाइजगर जारी की है और ट्रिंग मेंबरों को ज्यादासतर्कता बतने और ड्यू डिलिजेंस के लिए कहा गया है। बीएसईने कहा है, अशुद्ध या गलत सूचना पर आधारित ऑर्डर बाजार के संतुलन को प्रभावित करने के अलावा निवेशकों को नुकसान भी पहुंचाते हैं। ट्रेडिंग मेंबोों, क्लाइंटों की सुरक्षा और अपने सिम्टम में स्थॉति बनाए रखने के लिए ट्रेडिंग मेंबरों से एक बार फिर अपने सिस्टम में स्टॉप लॉस ऑर्डर लिमिट और माकेट प्राइस प्रोटक्शन
लिमिट की तत्काल समीक्षा करने को कहा गया है।

संकलन : खुशबू तिवारी और समी मोडक

## देसी इक्विटी में विदेशी निवेश पड़ेगा सुस्त

पुनीत वाध्वा

विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय इक्विटी बाजारों में विदेशी निवेश अल्पावधि में थम सकता है। इसकी वजह है बढ़ती तेल कीमतें, वै श्विक केंद्रीय बैंकों के नीतिगत कदम, बढ़ता बान्ड प्रतिफल और डॉलर सूचकांक में मजबूती।
जियोजित फाइनैंशियल सर्विसेज में मूख्य जियोजित फाइनेशयल सविसेज में मुख्य मूल्यांकन महंगा दिख रहा है क्योंकि बाजार रकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। विदेशी निवेशक आने वाले दिनों में बिकवाली कर सकते हैं। अमोरका में ऊँच बान्ड प्रतिफल ( 10 वर्षीय 05 के पार पहुंचने से वादेशी सूचकांक

निवेशकों (एफआईआई) द्वारा ज्यादा बिकवाल्ल
किए जाने का अनुमान है। भले ही वे केश मार्केट किए जाने का अनुमान है। भले ही वे कैश मार्केट
में बिकवाल रहे हैं लेकिन इसका बाजार पर में बिकवाल रहे है, लेकिन इसका बाजार पर निवेशकों (डीआईआई) द्वारा सितंबर में की गई खरीदारी से इसकी भरपाई हो गई
15 सितंबर, 2023 तक विदेशी पोर्टफोलियो
निवेशकों ने भारतीय शेयर बजाोों से करोड़ रुपये निकाले और 2023 में भारतीय शेयरों में उनका शुद्ध निवेश 1.31 लाख करोड रुपये पर रहा।
आंकड़े से पता चलता है कि इसके विपरीत, म्युचुअल फंडों और डीआईआई ने 7,664 करडड़ुपये ( 12 सितबर तक) और 10,230
करोड़ुपये ( 15 सितंबर तक) निवेश किए। जहां भाग्तीय बाजागों ने मजबात स्थाीय

आथिक कारको की वजह से वैश्विक इक्विटी के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है, वहीं बैश्विक नवेशकों ने अमेरकी बान्ड प्रतिफल में तेजी और
कच्चे तेल कीमतों में उछाल की वजह से पितंब
 में शररों में बिकवाली का। सऊदी अरब और रूस कीमतें 94 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई थीं। कोटक सिक्योरिटीज में शोध प्रमुख श्रीकांत एक बार फिर म्दास्फीति को बढ़ावा मिलेगा औै केंद्रीय बैंक ब्याज दरें बढाने पर जोर देंगे, जिससे व्विक अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हो सकती है। स सप्ताह अमेरिकी मौद्रिक नीति से पहले, फआईआई गतिविधि में उताए-चढाव बना कता है और तेल कीमतों तथा अमेरेरिी बॉन्ड प्रतिफल में तेजी आ सकती है।'


## फ्लोटिंग रेट वाले फंडों का बढ़ रहा आकर्षण

करीब एक साल तक लगातार बिकवाली सकारात्मक बदलाव का संकेत मिला है, 65 प्रतिशत निवेश करते हैं जिनमें ब्याज दरे
दबाव के बाद फ्लोटिंग दर वाले म्युचुल क्येंकि इसमें लगातार 11 महीने (मई 2022 आरबीआई की रीपो दर से जड़ी होती दबाव के बाद फ्लोटिंग दर वाले म्युचुअल क्योंकि इसमें लगातार 11 महीने (मई 2022 आरबीआई की रीपो दर से जुड़ी होती हैं।
फंडों (एमएफ) की मांग एक बार फिर से बढ़ से मार्च 2023 तक) बड़ी निकासी दर्ज की पिछले एक साल में फ्लोटिंग दर वाले गई है। पिछले तीन महीनों में, निवेशकों ने इन गई। यह बिकवाली बढ़़ 32,250 करोड़ म्युचुअल फंडों द्वारा लगभग अन्य सभी डेट श्रे डेट योजनाओं में 6,100 करोड़ रुपये से रुपये पर पहुंच गई थी। फ्लोटिंग दर वाले णियों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किए जाने के


